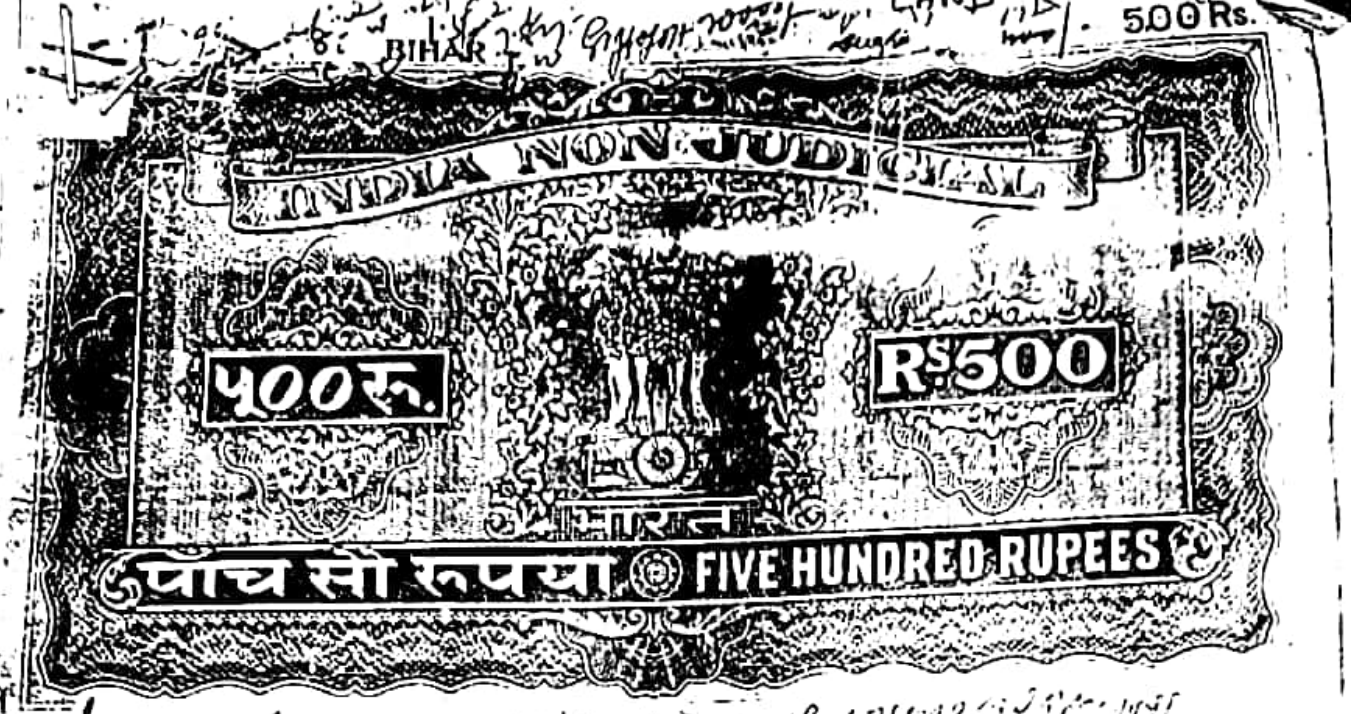

BIHAR

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES

नाम मोकीर श्री राम औतार सिंह

पुत्र श्री मेघन सिंह

स्वर्गीय साकीन मौजा

खाजपुरा टोला गरमुचक

थाना. फुलवारी थाना

Scanned by CamScanner

Gardanibagh 792 -

500×1 = 500=00
200×1 = 200=00
75×1 = 75=00
15×1 = 15=00
2×1 = 2=00

792=00

28/2/19

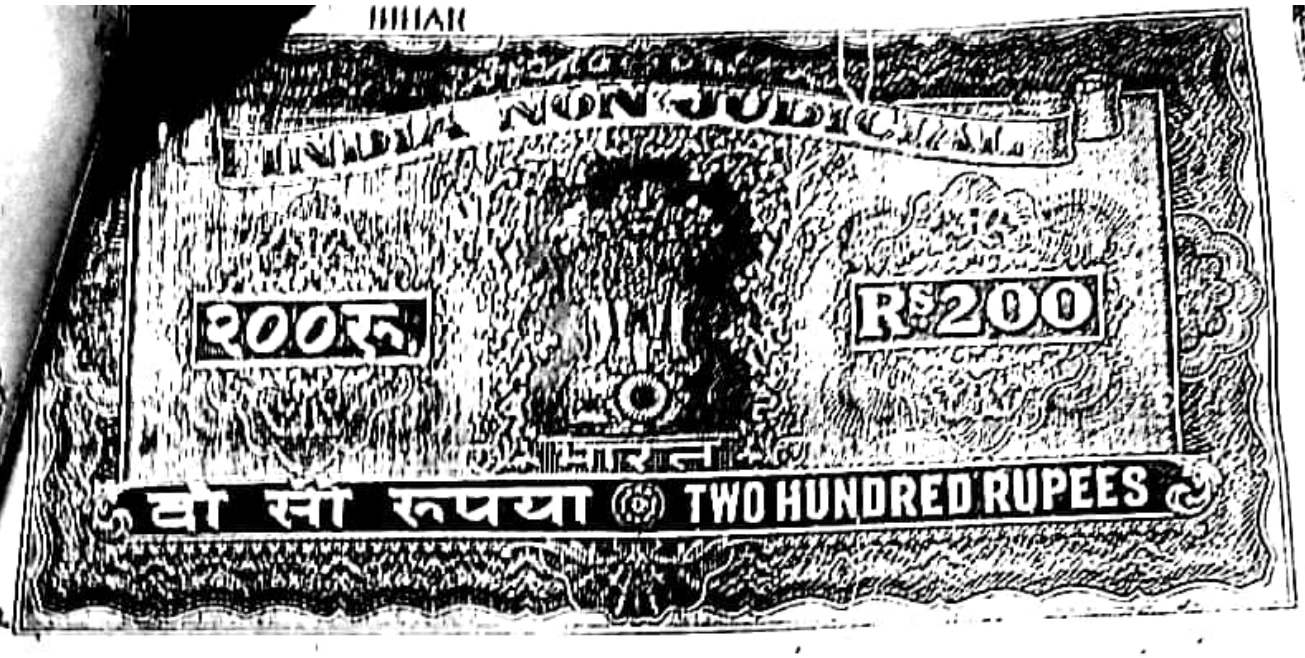

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु.　Rs 200

भारत

दो सौ रुपया　TWO HUNDRED RUPEES

[illegible]

साकिन खेती ।

श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्री भगवान प्रसाद सिंह

पचहत्तर रुपया

७५रू. भारत INDIA 75Rs

SEVENTY FIVE RUPEES

पिदर दा वाली वो रहीम खान -

साकिनान मजकूरान सा०

मौजे रवाजपुरा टोला गरम

चाक प्रगना फुलवारी थाना

गर्दनी बाग जिला पटना पेशा

दरवान खेती /

किस्मी मिल्कीयत:- रकबा शीशा नामा /

तायदाद तरफ मि० 20000) बीस हजार

मालीयत मालीयत रूपया /

सराहत जायदाद:- हमारी वो तमामी मवाजी

13 रकबा 6 $\frac{2}{3}$ डीसमील

अराजी वाकाते न कदी कायमी

वो मवाजी 2 डीसमील

मकान वेतुगान वाके

मौजा रवाजपुरा प्रगना फुल

१५रु. INDIA FIFTEEN RUPEES 15 Rs

जिला पटना, थाना नं० ११

सदर रोजाहदरी पटना जिला

पटना।

तौजी नम्बर	खाता नं०	प्लौट नं०	किता	अस्ति बा० डी०
५११३ सकलातार	२१	५०	मोदनी तीरा	+ २५४
		४२५	परिचायती पाया	१
		५५२	आमकी	+ २५
		११८	औजल	+ ५
		२५८	मुसाहरी	+ ५
		१२८३४	पामानी	+
		१२५८	मकानी	+

आ: अम्पु०माधवरु

२ + १ २

कामसेवा कानूनी कारवा...

भारती व डी० मकान...

सोमारु अपना जिसी...

तौजि रिवीन्यू मन मो...

सत्यप्रतिलिपि 19-8-91

19-5-91

दो रुपया

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

[illegible]

और [illegible] कि

[illegible]

[illegible]

तौजी नं०	खाता नं०	प्लॉट नं०	किता	आराजी ए० - डी०	
५५४८८	२८८१	८८	प्रत्यक्ष/पिप	-	०५
		१९९०	[illegible]	-	१२
		११५४५	कौजान	-	१०
		११२८६	डी०	-	२५
		१०८५१	कौजान	-	१५
		११७००	कौजान	+	३८
		११५५१	कौजान	-	५
				-१	-१५

आराजी सोलह आना [illegible]

[illegible]

[illegible] है। [illegible] आराजी ५८ - डी०

होता है जो परत शीम होता है. जिसका लगान ७१० ८. रूपया माता आनाले लिख

तौजी नं०	खाता नं०	पर्चा	किता	अराजी ए०	डी०
५१७४	३८१	१२२३	कौठा	+	७
	३८	१२८२	गैझान	+	५३
		१२८४	झीझान	+	२४
					= ८४ डी०

अराजी सौ तरह आना जिसमें एक ते रोहि मान मालकीन पका मवाजी २ ३ डी० बीसमील होता है जो परत शीम होता है. जिसका लगान मा० ५१८.१८ पैसा माता आनाले आत।

तौजी नं०	खाता नं०	पर्चा नं०	किता	अराजी ए०	डी०
५५८१	२०८	८८	हसहरी	+	८
					= ८ डी०

अराजी सौ तरह आना जिसमें एक ते रोहि मान मालकीन पका

Scanned by CamScanner

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	১১১৭	[illegible]	+	৮
	১১২২	[illegible]	+	১.৫
	১২২৭	[illegible]	+	৫
	১২২৮	[illegible]	+	৫
	১২২৬	[illegible]	+	৬
				[illegible]

[illegible]

১২ [illegible]

[illegible] ১৫০ [illegible]

[illegible] ।

पू. 333 ६४३ उलटनदू अराजी बी० कि०/२२

= २२ कीं०

बाबत नकदी कायमी सीगाह आजा जिसमें शक त लेई हिस्सा मन मोकीर का है जो मराजी २१ कि० कीसमीन होता है और बरूवशीयां होता है जिसका भाग में २ कि० ८ पैसा मालक आलाम करता।

तोजी ७० खाता २ खतौनी २ किता अराजी बी० कि०

५७६४	३५०	२२१	पंचेपारी बाया	१	७४
	३१	इमलीतर		+	७५
				२	४८

बाबत नकदी कायामी सीगाह आजा जिसमें शक त लेई हिस्सा मन मोकीर का है जो मराजी ८३ कीसमीन होता है जो बरूवशीयां होता है जिसका भाग मा० ७ कि० ८ पैसा

नं० खाता नं०	खतौनी नं०	खसरा		आराजी रकबा	क्षेत्रफल
५२/५	७८	२५३		+	२ १/२
		२१४		+	२
		२५५		+	३ १/२
		२१५		+	३ १/२
	५२	२६१		+	११
					२५ १/२

आराजी बारानी मकान की कारगाही
जिसमें आराजी रकबा तादादी
रिक्सा मल मालिक का
मकान ८ की होना है
जो रकबा कायम होता है जिसमें
मकान सो० १ कमरा मात्र
आबाद होता।

५१२/१ ५२ २६२ मकान बारा दिलेहा
—— कीमत आना
पैसा दो रुपया

मकान पेशगाही
जिसमें मल मालिक का रकबा
तादादी रकबा है जो रकबा
कायम होता है।

जो मकानी + रा २२ ३/२ जिसमें
आराजी बारानी मकान की कारगाही

वाके रकवा मौजा सादीपुर

प्रगना फुलवारी थाना दानापुर

जिला पटना खाता नं० १८ सब

रजिस्ट्री औफिस दानापुर जिला

पटना सदर रजिस्ट्री पटना

ओपल

तौजी नं०	खाता नं०	प्लौट नं०	किता	अराजी
५०५५१	२८	२२२	+	+ २७ डी० = ००८½
५२८०	१५	२१ सादीपुर	+	२८ " — ०.१४¾
		२२ मौजाना		+ ३० "
				८६

अराजी वाक्या नापदी वाक्यमौ

जिसमें मान मोपतिर का राका

तेहाई हिस्सा अराजी २८ $\frac{2}{3}$

डिसमील होता है और पख

११ डिसमील होता है जिसका लगान

मो० ४ रु० आना काहाके

—कागजात दोनोंलिन शिकस्त नाजुक

निगरानीत है।

न०१ वाद के मन मोकदमे को दो पैरवकार गिरधारीलाल श्री कुन्दनलाल सिंह व श्री भगवान सिंह थे और हैं कि जिसमें श्री कुन्दनलाल सिंह [illegible] मर चुके। पैरवकार श्री राधे चन्द प्रसाद सिंह व श्री शिवधारी प्रसाद सिंह मोकदमे आलोदगम के बावत दखलदाखल के रोकथाम करने व श्री भगवान सिंह आनीपाया और मौजूद हैं।

न०२ वाद के मन मोकदमे को श्री भगवान सिंह श्री मोकदमे आलोदगम कायमा में मौजा दखलदारान इजमायात व सामील साथ मन मोकदमे को रहते आय को मन मोकदमे को ही बात करते दखलदाखल को रुकावट करने दखलदाखल इजमायात को अंजाम करते रहे आय को इजमायात को अमानत में वादी के जायदाद में

स्वा० [illegible] १०-८-७९

मन मोहन के शादी करा दी गई है।
की [illegible] [illegible] दादी [illegible] की
शादी करी [illegible] इस मामले [illegible]
[illegible] मन मोहन की [illegible] [illegible]
[illegible] सिंह को मोहन [illegible]
का इस मामले [illegible] [illegible] [illegible]
आता है कि आपकी रजा मन
मोहन ने कोई [illegible] कर इस
मामले के साथ दिया [illegible] [illegible]
की रहना [illegible] नहीं [illegible]
की [illegible] [illegible] [illegible]
इस इरादे को दिया [illegible]
इस [illegible] [illegible] पर [illegible]
किया बाद है इस राम को [illegible]
तौर पर [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] दिया [illegible]
को इस बात [illegible] [illegible] और
रफ्तार के दिया के [illegible] के
अपना [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
कुल जायदाद [illegible] की [illegible]
[illegible] की दिया [illegible] से
[illegible] और [illegible] [illegible]

नि इसके मौतल्लीक इलाज दवाई को
इरादा इन्तेखाब और इस्तेमाल को
जाहीर कर दिया वो तारीख मौतीरा
से मन मोकीर का नाम तेल्हदिलरा
इलाहदा वो उसका नाम आमरा हुआ
वो उस पर खास हकीकत और
कब्जा व नजर कानून और हकीकत
के हुआ और समझा जायेगा।
न० 3: यह के मन मोकीर की उम्र ज्यादा
का आ गया है व लिहाजा मन
मोकीर के व रफा जात और सेवा
के लिये मदद की जरूरत है
वो मन मोकीर इस बात का महसूस
करते हैं की मोकीर अलेहुम वो
मोहब्बत मन मोकीर की सेवा
टहल वो करना बखूबी से दिल से
तैयार वो मुस्तैद रहता है की
जिसमें मन मोकीर के दिल की
पूरी तसल्ली वो रहती है वो
जानते हैं के मन मोकीर के नेक
हकदार हैं जिसकी शादी न० नेक

देकर की गई है और वह अपने-
ससुराल से खुश गुजर है और काम
बच्चेदार है।
नं० ८ यह कि मन मोकीर ने आराजी रक्बा वह
राम कायम किया की जायदाद व
खाता नं० ५ मौजा ताजा में हक
को हिस्सा साक तलाई अन्दर कुल
जायदाद मौरूसी की खरीदारी को
व खबज मौका को रहता कोमाहवान
मोकीर आलेहुम के साथ मोकीर-
आलेहुम के वरखशीश अता कर दूं
को मन मोकीर को इस बात का
पूरा भरोसा व उमीद है कि मोकीर
आलेहुम बराबर मन मोकीर का
सेवा रहता व हैस्याजात के जिस
तरह से करते आये हैं करता रहेंगे
के इस खाहिश को मद्दे नजर मोकीर
आलेहुम मुतकोल पर जाहिर
किया है मोकीर आलेहुम की
[illegible] व नाव और सेवा [illegible]

Scanned by CamScanner

यह कि इस वास्ते मनमोहन बदा
नीत सेहत आज वो इजाज़त अपना
वो कायम बहुत सारी होश वो
हवास आपन वो बोलता चालता
बेज़ किसी दबाव के बाबत नम्बर
और 7 कस्बा वो बहुमी [illegible]
जिसके व खुश ख्याली में [illegible]
नेक नियती से आने वाली मि
के वास्ते बकदर हक वो हिस्सा
मारूफ वो सब जमा खर्च को
साथ जुमला हुकूक मय लौ उसके
जिसकी मालियत तखमीनन मु०
20000 बीस हज़ार है बहक मोहके
ओमप्रकाश मोहनलाल को मैं बखुशी
बेटा, के आज हिबा वो बख्श दिया
दिया वो आज से सब मेरा कब्ज़ा
पर मोहक ओमप्रकाश मोहनलाल को
आज के तारीख से व हैसियत आपने
आइन्दा आज आपने व कायम मोकामी
आइन्दा कानूनी दखील ... कि

मशमूलात को शामिल करके अराज़ी
को किसम को मालगुज़ारी आराज़ियात
मुस्तकिल हो जाना व बमौजिब आईन
को फरमा बरदारी उसकी को बाद
वक्त को सरकार के मालिक बनाये रखना
को बरपया किया।

२०५ यह कि जो बजाय हक की [illegible]
[illegible] सोसायटी की [illegible] तथा आराज़ी
साथ मुतस्सिल तालाब में शामिल है
या आइन्दा शामिल होता बाद [illegible]
मुताल्लिक इस [illegible] सोसायटी में
निकाल कर [illegible] को सरकार को
[illegible] होकर बजरिये कानून
लागू के मुताबिक सोसायटी [illegible]
सोसायटी को शामिल हुआ जो लोग
आज किसी किस्म का कब्ज़ा
अंदर आराज़ी साथ मुतस्सिल तालाब के
बाकी नहीं रहा तो नहीं है तो
सही होगा।

[illegible] के सोसायटी [illegible] सोसायटी
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] अमर अचला अपना आदी अदा
[illegible] [illegible] पुन्यार्थ दान लिये थी
[illegible] [illegible] किया को
[illegible] मत [illegible] मोजीद
[illegible] [illegible]
[illegible] किया।

८ अठ के मौ [illegible] आजा [illegible]
पत्र [illegible] [illegible] मत
की [illegible] [illegible]
[illegible] नहीं है [illegible]
[illegible] नहीं है।
[illegible] [illegible]
[illegible] सदर के मत मोजीद को
[illegible] भी वह [illegible] मोजीद [illegible]
कर दिया [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
की [illegible] नाम आवे ५

[illegible] जेठ १६

कातीब दो सीका साजी [illegible] शेर [illegible] पठ्ठा [illegible]
मौजा [illegible] जिला [illegible] ३ सतरां ११ मे
[illegible] किया [illegible] है के [illegible] सतर नं ६ मे [illegible]

[illegible]

[illegible] ने [illegible]

[illegible] किया [illegible]

[illegible] मोजे ने बदल मौजे

[illegible]

[illegible] किया

[illegible]

[illegible] है [illegible] मौजे

[illegible] देकर [illegible]

[illegible]

[illegible]

ग्रामसभा सदर के मत मौजे के

पास [illegible] हवाले मौजे [illegible]

कर दिया [illegible] जमीन

[illegible] होगा [illegible]

को [illegible] काम आये

ATTESTED
Arun Kumar
NOTARY PATNA

[illegible]